पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक : सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 अंक : डिजिटल बीकानेर : रविवार 13 सितम्बर 2026 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1.00 रुपया

जयपुर में 14 सितंबर को 15-15 वार्डों में आएगा रिजल्ट

श्री भवानी निकेतन के फार्मेसी कॉलेज परिसर में सुबह 8 बजे से होगी काउंटिंग

जयपुर कासं। जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में हुई वोटिंग की काउंटिंग 14 सितंबर को होगी। जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में बनाए सेंटर पर काउंटिंग सुबह 8 बजे से शुरू होगी। संभावना है कि 15-15 वार्डों के रिजल्ट एक साथ घोषित किए जाएंगे।

काउंटिंग वार्ड बार और रिटर्निंग ऑफिसर (RO) वाइज होगी। थोड़े-थोड़े अंतराल में 15-15 वार्डों का रिजल्ट एक साथ घोषित किया जाएगा। मतगणना का परिणाम उस वार्ड के बूथों की संख्या पर निर्भर करेगा। जहां कम बूथों होंगे उनका वार्डों का रिजल्ट पहले और जहां ज्यादा बूथ है वहां रिजल्ट आने में देरी होगी।

वार्ड 62 के इस बूथ पर कल होगी वापस वोटिंग

नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के बूथ संख्या 23 के वोटिंग सेंटर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के कमरा नंबर 4, टीलावाला जगतपुरा में 13 सितंबर को दोबारा वोटिंग होगी। ये वोटिंग सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगी।

11 सितंबर को वोटिंग के दौरान इस बूथ पर फर्जी वोटिंग होने पर हंगामा हो गया। वार्ड से चुनाव लड़ रहे 3 निर्दलीय प्रत्याशियों और कांग्रेस के प्रत्याशी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट को लिखित में शिकायत देकर वोटिंग प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। उनका आरोप था कि इस बूथ पर 150 शिफ्टेड वोटर्स के फर्जी वोट डाले जा रहे है। इस विवाद के बाद निर्वाचन आयोग ने यहां दोबारा पोलिंग करवाने का फैसला किया।

जयपुर बीजेपी ने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी की

जयपुर कासं। जयपुर नगर निगम चुनाव की काउंटिंग से पहले भाजपा ने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी कर दी है। उम्मीदवारों को भाजपा शहर कार्यालय कार्यालय से बसों के जरिए भेजा गया। प्रत्याशियों को दिल्ली रोड स्थित एक रिसॉर्ट में ठहराया जाएगा। पार्टी ने नतीजों से पहले ही अपने संभावित विजयी प्रत्याशियों को एकजुट रखने की रणनीति बना ली थी, जिसके बाद उनको बाड़ेबंदी में रखने के लिए शनिवार को दोपहर 12 बजे शहर कार्यालय बुलाया गया था। इससे पहले पार्टी की ओर से प्रत्याशियों को 22 सितंबर तक का सामान साथ लाने के लिए कहा गया। 14 सितंबर को मतगणना के बाद 21 सितंबर को महापौर और 22 सितंबर को उप महापौर का चुनाव होना है।

फोन कर प्रत्याशियों को दी जा रही प्रशिक्षण शिविर की जानकारी

भाजपा की ओर से पार्षद प्रत्याशियों को फोन कर प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी गई। सभी प्रत्याशियों को दोपहर 12 बजे भाजपा मुख्यालय पहुंचने के लिए कहा गया था।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक जयपुर के अलावा प्रदेश के दूसरे जिलों में भी इसी तरह की रणनीति बनाई गई। उदयपुर सहित कई जिलों में प्रत्याशियों को प्रशिक्षण शिविर के नाम पर एकजुट रखने की रणनीति बनाई गई।

मतगणना से लेकर बोर्ड गठन तक नजर रखने की तैयारी

भाजपा की इस कवायद का मकसद प्रत्याशियों को मतगणना के दौरान और उसके बाद एकजुट रखना माना जा रहा है। कई नगर निकायों में मुकाबला करीबी होने की संभावना है। ऐसे में नतीजे आने के बाद बोर्ड बनाने के लिए एक-दूसरे के पार्षदों से संपर्क साधने की कोशिश हो सकती है। पार्टी की कोशिश है कि उसके संभावित विजयी पार्षद नतीजों के बाद दूसरे दलों के संपर्क में नहीं आएं। यदि किसी निकाय में बहुमत के लिए कुछ पार्षदों की जरूरत पड़ती है तो उस स्थिति में पार्टी अपने पार्षदों को एकजुट रखकर बोर्ड गठन की रणनीति पर आगे बढ़ सके।

भाजपा जिला अध्यक्ष बोले-परिवार की तरह एक साथ रहेंगे

भाजपा शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि कल सभी पार्षद प्रत्याशी अपने घर चले गए। पार्टी ने सभी को निर्देश दिया है कि सब एक जगह आएं। हम सब एक साथ परिवार की तरह रहेंगे। पार्टी की रीति नीति के बारे में जानेंगे। विचारों के बारे में जानेंगे। 2047 में विकसित भारत को लेकर आगे कैसे बढ़ता है इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा।

3 बेटियों और पत्नी की हत्या करने वाले पर इनाम

एक-एक वार में सभी को मार डाला; सिर की हड्डियां टूट गई थीं

जयपुर कासं। जयपुर में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या कर भागे आरोपी पति का पुलिस को शनिवार को भी सुराग नहीं मिला। पुलिस की ओर से फरार आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम रखा गया है। पुलिस की टीमें सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर कुछ गाड़ियों की तलाश कर रही है। करधनी पुलिस ने कांवटिया हॉस्पिटल में चारों शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। आरोपी ने एक-एक वार में मां और तीनों बेटियों की हत्या की। जिससे सिर की हड्डियां टूट गई। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया- 11 सितंबर की अल सुबह गोविंद वाटिका प्लॉट नंबर- ए-169 में राहुल झा (45) ने पत्नी गीता झा (40), बेटी नंदनी (22), राधिका (17) और गिरीश उर्फ गौरी (14) की हत्या की थी। आरोपी राहुल झा फरार है। पुलिस की टीमों की ओर से परिचित-दोस्तों से भी आरोपी राहुल के बारे में पूछताछ की गई है। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर कुछ गाड़ियों को संदिग्ध मानकर उसमें राहुल के बैठकर फरार होने को लेकर भी जांच की जा रही है।

एक ही वार में एक हत्या की

सूत्रों के मुताबिक, परिवार की हत्या के लिए 10 सितंबर की रात को राहुल ने खाने में जहर मिलाया था। जहर मिला खाना खाने के बाद पत्नी और तीनों बेटियां अपने-अपने कमरे में सोने चली गई। 11 सितंबर की सुबह करीब 4-5 बजे के बीच बेहोश की हालत में सभी पड़े थे। जिंदा होने के शक के चलते घर के बाहर रखी डेढ़ फीट की करीब 10 चत्त की सीमेंट पट्टी उठाकर लाया। पत्नी और तीनों बेटियों के सिर-मुंह पर सीमेंट की पट्टी को एक-एक बार ही तेजी से मारा। एक ही वार में सिर की हड्डियां टूट गईं।

वार से सोफा भी टूट गया

डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया- वार इतना तेज था कि नीचे कमरे में एक बेटी सोफे पर सो रही थी। सीमेंट की पट्टी से किए वार से सोफा टूट गया और वह जमीन पर आ गिरी। वहीं, पहली मंजिल पर कमरे में सो रही पत्नी के सिर-मुंह पर भी उसी तेजी से वार किया। जिसके चलते बेड के सिराहने रखा हत्यारे राहुल का मोबाइल भी चपेट में आने से टूट गया।

गणेश चतुर्थी पर 3500 किलो मेहंदी से होगा सिंजारा

परकोटा में आज 21 हजार लड्डुओं से सजेगी गणेशजी की झांकी

जयपुर कासं। गणेश चतुर्थी को लेकर जयपुर के प्रमुख गणेश मंदिरों में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में रविवार यानी कल 3500 किलो मेहंदी से सिंजारा महोत्सव मनाया जाएगा, जबकि 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर भगवान के जन्मोत्सव के दौरान सुबह 5 बजे से रात 11:40 बजे तक दर्शन होंगे। वहीं चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में आज 21 हजार लड्डुओं से भगवान गणेश की झांकी सजाई जाएगी। वहीं 13 सितंबर को 111 किलो मेहंदी से सिंजारा उत्सव होगा।

गणेश चतुर्थी के दिन शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजन, श्रृंगार और धार्मिक आयोजन होंगे। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान को स्वर्ण मुकुट और विशेष नौलखा हार पहनाया जाएगा, जबकि परकोटा गणेश मंदिर में सोने के वर्क से सजे गणेशजी को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

मोती डूंगरी में 3500 किलो मेहंदी से सिंजारा

13 सितंबर को मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेशजी का मेहंदी पूजन और सिंजारा होगा। सोजत की करीब 3500 किलो मेहंदी भगवान को धारण कराई जाएगी। पूजा के बाद रात 7:30 बजे पांच स्थानों से मेहंदी प्रसाद बांटा जाएगा। महिलाओं और कन्याओं के लिए अलग व्यवस्था रहेगी।

साल में एक बार पहनाया जाएगा स्वर्ण मुकुट

सिंजारा महोत्सव पर गणेशजी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भगवान को साल में सिर्फ गणेश चतुर्थी पर धारण कराया जाने वाला स्वर्ण मुकुट पहनाया जाएगा। चांदी के सिंहासन पर विराजित गणेशजी को विशेष पोशाक और नौलखा हार भी पहनाया जाएगा। मोती, सोना, पन्ना और माणक से सजे इस हार को महंत परिवार ने तीन महीने में तैयार किया है।

ब्रिक्स के साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

टेरर फंडिंग रोकने पर जोर; कहा- आतंकियों को पनाह देने वालों पर मिलकर एक्शन लेंगे

पुतिन ने BRICS समिट के दौरान पौधारोपण समारोह में हिस्सा लिया।

नई दिल्ली एजेन्सी। रूस और चीन समेत ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। देशों ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है।

ब्रिक्स देशों के बीच संयुक्त बयान जारी करने पर सहमति ऐसे समय में बनी है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान, सऊदी अरब और,श्व के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं।

भारत ने लगातार बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर करने और सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई।

भविष्य सबका, फैसला भी सबका:

मोदी ने कहा- दुनिया का भविष्य साझा है तो उसे तय करने का अधिकार भी सभी देशों के पास होना चाहिए।

भारत बोला- ब्रिक्स में आम लोगों की जरूरतों पर फोकस रहा

विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि भारत ने इस साल जनवरी में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। यह साल ब्रिक्स के लिए खास है, क्योंकि संगठन की संस्थागत साझेदारी के 20 साल पूरे हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने पिछली अध्यक्षताओं के काम को आगे बढ़ाते हुए लचीलापन, नई सोच, सहयोग और टिकाऊ विकास पर ध्यान दिया। प्रधानमंत्री मोदी के 'मानवता प्रथम' के विचार के तहत भारत ने ब्रिक्स के काम को आम लोगों की जरूरतों से जोड़ने और ज्यादा व्यावहारिक बनाने की कोशिश की।

ब्रिक्स नई दिल्ली घोषणा: 10 सबसे अहम बातें

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा: 22 अप्रैल 2025 के हमले की कड़ी निंदा, 26 लोगों की मौत का जिक्र।

आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख: आतंकवाद के हर रूप और हर वजह की निंदा की गई।

आतंकवाद को धर्म से न जोड़ें: आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समुदाय से जोड़ने का विरोध।

सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई: आतंकवाद, उसकी फंडिंग और आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई पर जोर।

आतंकियों की जवाबदेही तय हो: आतंकियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की बात।

संयुक्त राष्ट्र की आतंकरोधी संधि जल्द बने: अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर प्रस्तावित संधि को जल्द अपनाने की मांग।

ब्रिक्स के मूल सिद्धांत मजबूत होंगे: आपसी सम्मान, संप्रभु समानता, एकजुटता और सहमति से फैसलों पर जोर।

एकतरफा टैरिफ की निंदा: एकतरफा टैरिफ और व्यापारिक पाबंदियों पर चिंता जताई गई। कहा कि ऐसे कदम WTO के नियमों के अनुरूप होने चाहिए।

परमाणु खतरा: परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खतरे और बढ़ते वैश्विक तनाव पर चिंता जताई गई।

भारत की अध्यक्षता की सराहना: ब्रिक्स देशों ने भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स प्लस और आउटरीच संवाद की सराहना की।

ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी के बयान की 5 अहम बातें

अगले 20 साल का नया एजेंडा बनाएं: ब्रिक्स के अगले 20 साल के लिए नया एजेंडा और फैसलों पर अमल की स्थायी व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव।

ग्लोबल साउथ नियम बनाने में हिस्सा ले: AI, साइबरस्पेस, अंतरिक्ष और बायोटेक्नोलॉजी के नियम तय करने में विकासशील देशों की बराबर भागीदारी पर जोर।

युवाओं को तैयार करें: युवा राजनयिकों और नीति-निर्माताओं को बातचीत और कानून की ट्रेनिंग देने का सुझाव।

नाविकों के लिए इमरजेंसी नेटवर्क बने: मुसीबत में फंसे नाविकों को इलाज, परिवार से संपर्क और सुरक्षित निकालने के लिए देशों के बीच नेटवर्क बनाने की बात।

मोदी-जिनपिंग बोले- मतभेद विवाद में न बदलें

आपसी संबंध लंबे चले; गलवान झड़प के बाद चीन से इम्पोर्ट दोगुना हुआ

नई दिल्ली एजेन्सी। पीएम मोदी ने दिल्ली में BRICS समिट से अलग चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय बैठक की। यह मीटिंग करीब 50 मिनट चली।

मोदी और जिनपिंग ने इस बात पर भी सहमति जताई कि मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए और संबंध लंबे चलने चाहिए।

पीएम मोदी ने जोर दिया कि दोनों देशों के संबंध तीन 'पारस्परिक सिद्धांतों'- सम्मान, संवेदनशीलता और हित से जुड़े होने चाहिए।

जिनपिंग करीब 7 साल बाद भारत आए हैं। गलवान झड़प के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है।

जिनपिंग इससे पहले 11 अक्टूबर 2019 को भारत आए थे। 15 जून 2020 को गलवान झड़प हुई थी। इसके बाद भारत-चीन रिश्तों में तनाव बढ़ा, लेकिन कारोबार नहीं रुका।

मीटिंग में मोदी-जिनपिंग ने क्या कहा...

पीएम मोदी ने कहा, मैं भारत की BRICS अध्यक्षता के दौरान चीन से मिले समर्थन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं। अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का अवसर है। एक बार फिर, आपका भारत में हार्दिक स्वागत है।

जिनपिंग बोले- चीन ने हमेशा भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाए रखने का समर्थन किया है। हालांकि हमारे दोनों देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियां अलग हैं, फिर भी हम एक-दूसरे की खूबियों से पूरी तरह सीख सकते हैं।

मानसून फिर एक्टिव, जयपुर समेत 6 जिलों में बारिश:बारां में परवन नदी में युवक डूबा

जयपुर कासं। राजस्थान में पिछले एक सप्ताह से सुस्त रहा मानसून फिर एक्टिव हो गया है। जयपुर, उदयपुर, कोटा, सीकर, अजमेर और डूंगरपुर में शनिवार को बारिश हुई। बारां के आसन गांव के पास परवन नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ नहाने गया था। डूंगरपुर में 1 महीने के लंबे इंतजार के बाद 30 मिनट तक हुई बरसात से सड़कों पर पानी बहने लगा। इससे लोगों को दिनभर की तेज गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग ने राज्य में 15 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। इससे पहले शुक्रवार को भरतपुर, जयपुर संभाग के एरिया में दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ था। कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई और कुछ जगहों पर हवा चली।

जयपुर में 444 नए ष्ट को मिले मेंबरशिप सर्टिफिकेट : आईसीएआई के दीक्षांत समारोह में 7 रैंक होल्डर्स भी सम्मानित

जयपुर कासं। जयपुर में शनिवार को द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) की सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल की ओर से दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल कैंपस के दीप स्मृति ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में 444 नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को मेंबरशिप सर्टिफिकेट दिए गए। वहीं, संस्थान के 7 रैंक होल्डर्स को भी सम्मानित किया गया। समारोह में ICAI की सेंट्रल काउंसिल के सदस्य और कार्यक्रम के समन्वयक सीए सतीश कुमार गुप्ता और सीए डॉ. रोहित रूवाटिया अग्रवाल ने नवयोग्य सीए को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सीए बनना केवल एक पेशेवर योग्यता हासिल करना नहीं है, बल्कि इसके साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। दोनों ने नए सीए को ईमानदारी, अनुशासन और लगातार सीखते रहने के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

मेहनत और अनुशासन से मिली सफलता

सीए सतीश कुमार गुप्ता ने नए सीए को बधाई देते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी देश की आर्थिक व्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पेशा है। सीए की जिम्मेदारी है कि वह अपने काम में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखे। उन्होंने कहा कि युवा सीए अपने काम में प्रोफेशनल एथिक्स को प्राथमिकता दें और नई चीजें सीखते रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मतलब सिर्फ डिग्री हासिल करना नहीं है। अपनी जानकारी और क्षमता का इस्तेमाल समाज और देश के विकास में करना भी जिम्मेदारी है। उन्होंने नए सदस्यों को अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

आर्थिक क्षेत्र में सीए की अहम भूमिका

सीए डॉ. रोहित रूवाटिया अग्रवाल ने कहा कि बदलते आर्थिक माहौल में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका लगातार बढ़ रही है। टैक्स, अकाउंटिंग, ऑडिट, वित्तीय प्रबंधन और कॉरपोरेट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में सीए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नए सीए की यह सफलता कई साल की मेहनत और अनुशासन का नतीजा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी नवयोग्य सीए अपनी जानकारी और स्किल का इस्तेमाल देश और समाज के हित में करेंगे।

गांधी जयंती पर पत्रकारों, मीडिया एवं डिजिटल क्रिएटर्स का सम्मान, बीकानेर पुलिस के सर्किल ऑफिसर भी होंगे सम्मानित

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन की ओर से 2 अक्टूबर 2026 को पत्रकार एवं मीडिया सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में पत्रकारिता एवं मीडिया के माध्यम से समाज, खेल, युवा, स्वास्थ्य एवं सकारात्मक जागरूकता के क्षेत्र में योगदान देने वाले प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही बीकानेर पुलिस के सर्किल ऑफिसर को भी उनके उल्लेखनीय कार्य एवं सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में समाचार पत्र, टीवी चैनल, डिजिटल मीडिया, स्पोर्ट्स मीडिया, फोटो जर्नलिस्ट, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, ब्लॉगर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में सम्मान समारोह के साथ फन गतिविधियां तथा मीडिया संवाद भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों एवं दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन की टीम के सदस्यों और बीकानेर पुलिस के सर्किल ऑफिसर के साथ ग्रुप फोटो भी लिया जाएगा।

प्रत्येक मीडिया संस्थान से एक प्रतिनिधि का सम्मान

कार्यक्रम में प्रत्येक समाचार पत्र, चैनल अथवा मीडिया संस्थान से केवल एक प्रतिनिधि का सम्मान किया जाएगा। सम्मानित प्रतिनिधि का चयन संबंधित समाचार पत्र, चैनल या मीडिया संस्थान के अधिकृत अधिकारी, प्रबंधन अथवा चयन समिति द्वारा किया जाएगा। संबंधित संस्थान द्वारा अधिकृत रूप से नामित प्रतिनिधि को ही दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन की ओर से सम्मान प्रदान किया जाएगा।

संस्थानों से नाम लेकर भेजा जाएगा व्यक्तिगत आमंत्रण

सम्मान समारोह के लिए विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनलों, डिजिटल मीडिया संस्थानों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, ब्लॉगर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स की सूची तैयार की जाएगी। संबंधित संस्थानों से संपर्क कर सम्मानित किए जाने वाले प्रतिनिधि का नाम अधिकृत रूप से प्राप्त किया जाएगा। चयनित प्रतिनिधियों को कॉल अथवा WhatsApp के माध्यम से व्यक्तिगत आमंत्रण कार्ड/संदेश भेजा जाएगा। सम्मानित होने वाले प्रतिनिधियों के नाम संबंधित संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाए गए अधिकृत नाम के आधार पर ही अंतिम किए जाएंगे।

20 दिसंबर के कार्यक्रम का होगा शुभारंभ

समारोह के दौरान 20 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाले दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रम 'Mission Play to Profession – खेल से कैरियर तक' का आधिकारिक शुभारंभ भी किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं एवं खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों एवं संभावनाओं से परिचित कराना है।

नि:शुल्क प्रवेश, पंजीकरण अनिवार्य

कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः नि:शुल्क रहेगा, लेकिन पूर्व पंजीकरण अनिवार्य होगा। बिना पंजीकरण के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक आमंत्रित मीडिया प्रतिनिधि के साथ एक व्यक्ति को आने की अनुमति होगी, जिसकी जानकारी पंजीकरण के समय उपलब्ध करवानी होगी।

इच्छुक पत्रकार, मीडिया प्रतिनिधि, इन्फ्लुएंसर्स, ब्लॉगर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स अपने नाम, संस्थान/चैनल का नाम, पद, मोबाइल नंबर, ई-मेल तथा साथ आने वाले व्यक्ति की जानकारी WhatsApp नंबर 9602997890 पर भेजकर अथवा दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन की वेबसाइट dishodyasportsfoundation.com के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

13 सितम्बर को आयोजित होगी 'सेट' परीक्षा

सुबह 10 बजे के बाद एंट्री नहीं,ये दस्तावेज लाना जरूरी,इन पर रहेगा बैन

बीकानेर (खबर आस पास)। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से 13 सितम्बर को सहायक आचार्य के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2026 आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा सातों संभागों में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक एक पारी में ऑफलाइन मोड पर होगी। इसमें 37 विषयों में इस वर्ष 1 लाख 77 हजार 901 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं। सात संभागीय मुख्यालयों में कुल 429 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बीकानेर 22,281 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन यूजीसी-नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप किया जाएगा। परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। परीक्षा की सुरक्षा,गोपनीयता और संवेदनशीलता से जुड़े सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने और परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने की अपील की।

प्रवेश के लिए ये दस्तावेज जरूरी

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश-पत्र की रंगीन प्रति,मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र के रूप में केवल आधार कार्ड तथा ऑनलाइन आवेदन के समय अपलोड की गई फोटो से मेल खाती एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो साथ लानी होगी।अभ्यर्थियों की रिपोर्टिंग सुबह 9 से 10 बजे तक होगी। 10 बजे बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश-पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र और रोल नंबर के कोड को केवल सांकेतिक न मानते हुए परीक्षा केंद्र की वास्तविक लोकेशन पहले से सुनिश्चित कर लें। इसके लिए परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्र पर जाकर स्थान की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मोबाइल, स्मार्ट वॉच और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित

1- परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट,पुस्तक,नोट्स आदि ले जाना पूर्णत:प्रतिबंधित रहेगा।

2- अभ्यर्थियों को आधी आस्तीन के हल्के रंग के कपड़े तथा कम हील वाली चप्पल या सैंडल पहनकर आने की सलाह दी गई है।

3- धार्मिक, पारंपरिक अथवा सांस्कृतिक पोशाक में आने वाले अभ्यर्थियों की सुरक्षा जांच के दौरान विशेष रूप से तलाशी ली जाएगी।

अभ्यर्थी अपने साथ केवल काले या नीले बॉल पेन लेकर आएं।

4- ओएमआर शीट पर व्हाइटनर,ब्लेड अथवा किसी अन्य वस्तु का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा।

5- अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए जाने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को, शहर में सजी गणेश प्रतिमाएं बाजारों में बिक्री के सजने लगी हैं प्रतिमाएं

बीकानेर (खबर आस पास)। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। इसी के साथ दस दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू होगा। शहर में पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। घरों और पांडालों में विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। श्रद्धालु पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। शुभ मुहूर्त होने के कारण इस दिन कई लोग शुभ एवं मांगलिक कार्य भी करेंगे। गणेशोत्सव को लेकर बाजारों में भी रौनक बढने लगी है।पर्व की तारीख नजदीक आने के साथ ही बाजारों में मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की बिक्री शुरू हो गई है। जूनागढ़ के सामने,सादुल सिंह सर्किल सहित अन्य बाजारों में अलग-अलग आकार और स्वरूप की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं।

मूर्ति विक्रेता सोनू ने बताया कि प्रतिमाएं गुजरात सहित अन्य शहरों से मंगवाई गई हैं। इनकी कीमत 100 रुपए से लेकर 5,000 रुपए तक है। इस बार वस्त्र धारण किए हुए बड़े आकार की गणेश प्रतिमाएं लोगों को विशेष रूप से पसंद आ रही हैं। घरों में स्थापना के लिए छोटे आकार की प्रतिमाओं की भी मांग है। पर्व नजदीक आने के साथ बाजार में खरीदारी बढने लगी है।

पूजन का श्रेष्ठ समय सुबह 11:09 से दोपहर 1:36 बजे तक

पंडित राजेन्द्र किराडू के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी सोमवार को मध्याह्न काल में होने के कारण इसी दिन गणेश चौथ मनाई जाएगी। गणेश पूजन का श्रेष्ठ समय सुबह 11:09 बजे से दोपहर 1:36 बजे तक रहेगा। इसमें दोपहर 1:21 बजे तक वृश्चिक लग्न का समय विशेष रूप से श्रेष्ठ माना गया है।पंचांग के अनुसार इस दिन रवि योग, इंद्र योग और ब्रह्म योग भी बन रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन योगों में गणेश चतुर्थी का पूजन करने से पुण्य फल प्राप्त होता है। गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा के दर्शन नहीं करने की भी धार्मिक मान्यता है।

25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर विसर्जन

दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन करेंगे। हालांकि,घरों और गणेश मंडलों में परंपरा के अनुसार डेढ़, तीन,पांच,सात या दस दिन बाद भी गणपति विसर्जन किया जाता है।

जयपुर: राजस्थान निकाय चुनाव में रिकॉर्ड मतदान, दोनों चरणों में 73.56% वोटिंग.

(खबर आस पास)

जयपुर। जयपुर में 63.55%, राज्य की 294 नगरीय निकायों में दोनों चरणों को मिलाकर 1.45 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में से 1.06 करोड़ से अधिक ने वोट डाला, कुल मतदान 73.56% दर्ज हुआ, दूसरे चरण की 147 निकायों में 71.69% वोटिंग रही जहां 87.63 लाख मतदाताओं में से 62.82 लाख ने मतदान किया, दूसरे चरण में सबसे ज्यादा मतदान धोरीमन्ना में 91.59%, गोलूवाला में 90.03% और बड़ौदा मेव में 89.79% रहा, बड़े शहरों में जोधपुर 71.95%, उदयपुर 69.77%, कोटा 67.66% और पाली 70.94% वोटिंग हुई, जयपुर नगर निगम में 63.55% मतदान दर्ज हुआ जबकि सिरोही नगर परिषद में सबसे कम 62.16% वोटिंग रही, पिछले चुनाव की तुलना में भी मतदान प्रतिशत बढ़ा-कुल आंकड़ा 71.84% से बढ़कर 73.56% हुआ, दूसरे चरण में 67.93% के मुकाबले इस बार 71.69% और जयपुर में करीब 58% से बढ़कर 63.55% मतदान दर्ज किया गया

जनगणना के प्रगणक और सुपरवाइजर के मानदेय का भुगतान अविलम्ब किया जाए

बीकानेर (खबर आस पास)। जनगणना में लगे प्रगणक एवं सुपरवाइजरों के प्रथम चरण के मानदेय भुगतान को लेकर के राजस्थान शिक्षक संघ(प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत एवं प्रदेशाध्यक्ष बन्ना राम चौधरी ने शासन सचिव व सांख्यिकी विभाग राजस्थान सरकार को ज्ञापन भेजकर के 15 सितम्बर से पूर्व मानदेय भुगतान की मांग की है। बीकानेर जिलाध्यक्ष आनंद पारीक ने बताया है कि जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 14 जून 2026 को ड्यूटी में लगे प्रगणक, सुपरवाइजर, पर्यवेक्षक व अन्य कर्मचारीयों द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन हो चुके तीन महिने के बाद भी आज दिवस तक प्रथम चरण के मानदेय का भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित नही करने से राज्य भर के शिक्षकों व कर्मचारियों में नाराजगी देखने को मिल सकती है। प्रदेश प्रवक्ता यतीश वर्मा ने कहा कि जनगणना का द्वितीय चरण भी अगले महिने से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। इस कारण प्रथम चरण के मानदेय भुगतान की व्यवस्था 15 सितम्बर से पूर्व करवाई जाये अन्यथा द्वितीय चरण की जनगणना कार्मिकों के विरोध के चलते प्रभावित हो सकती है। मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने बताया कि राज्यभर में जनगणना के बकाया मानदेय भुगतान को लेकर जबरदस्त रोष व्याप्त हो रहा है। संगठन ने तत्काल भुगतान करने की पैरवी की है।

पितृ पक्ष 26 सितंबर से, दिवंगत पूर्वजों के निमित्त करेंगे श्राद्ध

बीकानेर (खबर आस पास)। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होने वाला पितृ पक्ष इस बार 26 सितंबर से शुरू होगा। यह 10 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान परिवार दिवंगत पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान करेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और स्मरण का समय है। पितरों के निमित्त श्रद्धा से विधि के अनुसार किए जाने वाले कर्म को श्राद्ध कहा गया है।पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथि 9 अक्टूबर को रात 09:35 बजे शुरू होगी। इसका समापन 10 अक्टूबर को रात 09:20 बजे होगा। ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को मान्य होगी। मान्यता है कि पितृ पक्ष में जिस तिथि को पूर्वज का निधन हुआ,उसी तिथि पर उनका श्राद्ध किया जाता है। जिन पितरों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, उनके लिए सर्व पितृ अमावस्या पर श्राद्ध की परंपरा है। इस दिन ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है।धार्मिक परंपरा में पितृ पक्ष के दौरान तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व माना गया है। श्राद्ध कर्म में पके चावल, दूध, तिल से पिंड बनाने की परंपरा भी बताई गई है। पितृ पक्ष का समापन 10 अक्टूबर को सर्व पितृ अमावस्या पर होगा।पितृ पक्ष में 26 सितंबर शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध होगा। 27 सितंबर रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध होगा। 28 सितंबर सोमवार को द्वितीया श्राद्ध होगा। 29 सितंबर मंगलवार को तृतीया श्राद्ध होगा। 30 सितंबर बुधवार को चतुर्थी व पंचमी श्राद्ध होगा। 1 अक्टूबर गुरुवार को षष्ठी श्राद्ध होगा। 2 अक्टूबर शुक्रवार को सप्तमी श्राद्ध होगा। 3 अक्टूबर शनिवार को अष्टमी श्राद्ध होगा। 4 अक्टूबर रविवार को नवमी श्राद्ध होगा। 5 अक्टूबर सोमवार को दशमी श्राद्ध होगा। 6 अक्टूबर मंगलवार को एकादशी श्राद्ध होगा। 7 अक्टूबर बुधवार को द्वादशी श्राद्ध होगा। 8 अक्टूबर गुरुवार को त्रयोदशी श्राद्ध होगा। 9 अक्टूबर शुक्रवार को चतुर्दशी श्राद्ध होगा। 10 अक्टूबर शनिवार को सर्वपितृ श्राद्ध होगा।ज्योतिषाचार्य सूरज रतन व्यास ने बताया कि वायु पुराण में कहा गया है,श्रद्धया दीयते यस्मात् तच्छ्राद्धं परिकीर्तितम्। इसका अर्थ है कि जो कार्य पूरी श्रद्धा से किया जाए, वही श्राद्ध कहलाता है। पुराण के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा पर किया गया तर्पण ऋषियों और देवताओं को भी तृप्त करने वाला माना गया है। उन्होंने बताया कि ब्रह्म पुराण में उचित काल,पवित्र स्थान,शास्त्रोक्त विधि से पितरों के उद्देश्य से किए गए दान को श्राद्ध बताया गया है। मान्यता है कि श्राद्ध कर्म से पितरों के साथ देवता, गंधर्व, यक्ष, नाग भी तृप्त होते हैं।व्यास के अनुसार स्कंद पुराण में भाद्रपद के इन पवित्र दिनों में किए गए दान-पुण्य को सांसारिक दोषों से मुक्ति और उत्तम लोक की प्राप्ति से जोड़ा गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व में उल्लेख है कि सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश के समय यमराज पितरों को वंशजों से मिलने के लिए मुक्त करते हैं। इस अवधि में किया गया पिंडदान पितरों की शांति के लिए विशेष फलदायी माना गया है। इसको लेकर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मन मंदिर में गणेश उत्सव 14 सितंबर को

बीकानेर (खबर आस पास)। खतुरिया कॉलोनी के मन मंदिर में गणेश चतुथी पर 14 सितंबर को गणेश उत्सव मनाया जाएगा। भगवान गणेश की स्तुति-वंदना, भक्ति तथा विशेष पूजन व श्रृंगार सहित विविध आयोजन होंगे। मंदिर के संस्थापक सुरेश गुप्ता ने बताया कि शिवबाड़ी के लालेश्वर महादेव मंदिर के अधिष्ठाता स्वामी विमर्शानंद गिरि की प्रेरणा व आशीर्वाद से आयोजित गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान मंदिर में विशेष सजावट की गई है।

शांति विहार सोसायटी में गणेशोत्सव

पवनपुरी की शांति विहार सोसायटी में में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल राय व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.सोनम राय के नेतृत्व में भगवान गणेश का उत्सव 14 सितम्बर को अभिजीत मुहूं में मनाया जाएगा। विशेष पूजन बनारस के वेदपाठी ब्राह्मणों नेतृत्व में किया जाएगा। बनारस से ही भगवान गणपति की विशेष प्रतिमा मंगवाई गई है।

दियातरा में गूंजे रामसा पीर के जयकारे

नौलखा परिवार ने की महाआरती महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब रामदेवरा पैदल यात्रियों की सेवा में जुटा नौलखा परिवार

दियातरा (खबर आस पास)। रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों की लगातार आवाजाही के चलते इन दिनों दियातरा गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है। सड़क किनारे स्थित प्रसिद्ध चमत्कारी बाबा रामदेव जी मंदिर में लंबे समय तक महाआरती का आयोजन हुआ। इसमें सेठ मूलचंद नौलखा परिवार के सदस्यों ने बाबा की ज्योत जलाकर विधि-विधान से महाआरती की। महाआरती में गांव के गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में पैदल यात्री शामिल हुए और बाबा रामदेव जी के जयकारों से मंदिर प्रांगण गूंज उठा। महाआरती के दौरान चंद्र प्रकाश नौलखा, संदीप कुमार नौलखा, उनके पोते सूर्य प्रकाश एवं भारत कुमार ने बाबा रामदेव की ज्योत प्रज्ज्वलित की। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने मंदिर परिसर में स्थापित अपने दादा सेठ मूलचंद नौलखा की प्रतिमा के सामने भी दीपक जलाकर आशीर्वाद लिया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा के लिए हर वर्ष की तरह इस बार भी परिवार पूरी तरह तत्पर है। पैदल यात्रियों का जत्था जब तक दियातरा से होकर गुजरता रहेगा, तब तक परिवार के सदस्य मंदिर परिसर में रहकर यात्रियों की सेवा में जुटे रहेंगे।

रंग-बिरंगी रोशनी से सजा मंदिर

पिछले कई दिनों से दियातरा से होकर बड़ी संख्या में पैदल यात्री रामदेवरा की ओर जा रहे हैं। यात्री गांव पहुंचते ही चमत्कारी बाबा रामदेव जी मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद लेते हैं। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। कई यात्री दर्शन के बाद कुछ समय मंदिर परिसर में विश्राम भी करते हैं।

सेठ संदीप कुमार नौलखा ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन सुबह-शाम बाबा की ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की जाती है। भादवा माह में पूरे महीने मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहता है। बीज के दिन पूरे दिन बाबा की ज्योत प्रज्वलित रखने की व्यवस्था की जाएगी।

चमत्कारिक घटना के बाद बना मंदिर

बताया जाता है कि सेठ मूलचंद नौलखा के परिवार के साथ हुई एक चमत्कारिक घटना के बाद बाबा रामदेव जी के मंदिर निर्माण का निर्णय लिया गया था। परिवार के सदस्यों से विचार-विमर्श के बाद मंदिर का निर्माण करवाया गया। मंदिर निर्माण के दौरान भी कई श्रद्धालुओं को बाबा के पर्चे होने की मान्यता है। इसके बाद यह मंदिर क्षेत्र में चमत्कारी बाबा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

यात्रियों के लिए 24 घंटे सेवा

मंदिर परिसर में रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों के लिए चाय-नाश्ता, चिकित्सा सहित आवश्यक सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। परिसर में लगाया गया रेल इंजन, मुख्य द्वार और आकर्षक सजावट यात्रियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन दिनों दियातरा की सड़कें बाबा रामदेव के जयकारों से गूंज रही हैं। जगह-जगह सेवा शिविरों के माध्यम से ग्रामीण भी पैदल यात्रियों की सेवा में जुटे हैं। श्रद्धा, सेवा और भक्ति के इस संगम से पूरा दियातरा गांव रामदेवमय नजर आ रहा है।

आत्म व परमात्म तत्व की प्रधानता को समझें तथा शरणं ले : आचार्य रामलाल

बीकानेर (खबर आस पास)। अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ के हुक्म संघ के नवम पट्टधर आचार्य रामलाल ने छबीली घाटी के सेवा सदन में पर्युषण पर्व के पांचवें दिन शनिवार को प्रवचन में कहा कि आत्म व परमात्म तत्व की प्रधानता को समझें तथा उसकी शरण लें। उन्होंने कहा कि सभी तीर्थंकरों व मोक्ष प्राप्त करने वाली पुण्य आत्माओं ने आत्म व परमात्म तत्व की शरण लेकर साधना, आराधना व भक्ति कर उदार किया। कैवल्य ज्ञान प्राप्त तीर्थंकरों की देशना और संदेश जीव मात्र के कल्याण के लिए है, इसमें किसी वर्ग, जाति व समुदाय का भेद नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म- आध्यात्मिक मार्ग में किसी बिचौलिए के बिना, अपने भीतर झांकते हुए आत्म व परमात्म स्वरूप को पहचानते हुए सुदेव, सुगुरु की शरण लेकर आंतरिक शुद्धि के साथ सच्ची साधना करें। चारित्र आत्माओं ने बताया कि धर्म में दलाली से जैन दर्शन के अनुसार (कर्म सिद्धांत) गोत्र कर्म बंध होता है। आत्मा द्वारा कर्म को आकर्षित और संग्रहित करने की प्रक्रिया को ही गोत्र कर्म बंध कहा जाता है। गोत्र कर्म आत्मा को संसार में एक विशिष्ट कुल या वंश में जन्म लेने के लिए बाध्य करता है।

आचार्य प्रवर के सान्निध्य में रिकार्ड तपस्याएं

आचार्य प्रवर व उपाध्याय प्रवर की प्रेरणा व आशीर्वाद से अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी संघ व श्री साधुमार्गी सेवा समिति के मंत्री सुरेश बच्छावत ने बताया कि चारित्र आत्माओं की प्रेरणा से श्रावक- श्राविकाएं ''पचखाण से निर्वाण'', नई उमंग,नए संकल्प के साथ पर्युषण पर्व में देश-प्रदेश साधुमार्गी जैन संघ के मुनि व साध्वीवृंद के सान्निध्य में हजारों श्रावक-श्राविकां एक से 31 दिन की तपस्याएं रहे है। इनमें उपवास, एकासन, एकल ठाणा, आयंबिल, नीवीं , दया व्रत, बेला, तेला के साथ 15 सितम्बर तक सामूहिक 9 की तपस्या करने वाले साधकों की संख्या सैकड़ों में है। साधुमार्गी सेवा समिति के कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र दस्साणी व अध्यक्ष कन्हैयालाल बैद ने बताया कि रश्मि दस्साणी ने 12 की तपस्या का तथा समिति के सह मंत्री नवीन कोठारी सहित अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तीन दिन (तेले) 5-6 दिन की तपस्या का संकल्प (पचखान) लिया। सभी तपस्वी व बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं आध्यात्मिक उत्थान के लिए पचखान से निर्वाण के नियमों का पालन कर रहे है। प्रतिदिन भी ज्ञान, साधना, तप, रस परित्याग, यतना, इंद्रिय विजय व विविध पचखान ले कर पर्युषण पर्व की साधना कर रहे है।

बीकानेर की छबीली घाटी के सेवा सदन (आचार्यश्री रामलालजी के चातुर्मास) समर्पण 2026 स्थल के समीप 12.9.26 को पर्युषण पर्व पर लोच करवाते हुए श्रावक

''लोच में क्या सोच''

पर्युषण पर्व के दौरान छबीली घाटी में हाथों से बाल को उतारने का अस्थाई केन्द्र बनाया गया है। ''लोच में क्या सोच'' संकल्प के तहत प्रतिदिन स्थानीय व बाहर से आए श्रावक बालों का लोच करवा रहे है। साधुमार्गी जैन संघ के अहिंसा प्रचारक महेश नाहटा ने बताया कि मध्य प्रदेश से लोच के अनुभवी सैलून मास्टर संक्रमण से बचाते हुए राख व अन्य पारम्परिक सामग्री का उपयोग करते हुए नियमित श्रावकों के बालों का हाथों से लोच कर रहे है। उन्होंने बताया कि प्रतिक्रमण सीखों अभियान के तहत ''प्रतिक्रमण'' की पुस्तकें नि:शुल्क दी जा रही है। प्रतिक्रमण का अर्थ है अपने द्वारा जाने-अनजाने में किए गए पापों, दोषों और गलतियों के लिए पश्चाताप करना और आत्मा को शुद्ध करना । इस पुस्तक में छोटे व बड़े प्रतिक्रमण की एक विधि है जो इस पुस्तक में प्रकाशित है।

पर्युषण के रंग ज्ञान ध्यान के संग

चातुर्मास समर्पण-26 के मीडिया प्रभारी अमित गोलछा ने बताया कि पर्युषण के रंग ज्ञान ध्यान के संग अभियान के तहत शनिवार को नाम कर्म पर प्रतियोगिता हुई, जिसमें 108 श्रावक-श्राविकाओं ने हिस्सा लिया रविवार को प्रवचन के बाद 20 मिनट की गोत्र कर्म पर स्पर्द्धा होगी। आयुष्य कर्म पर शुक्रवार को हुई प्रतियोगिता में समता बांठिया प्रथम, कोमल सुखलेचा, तन्मय दुग्गड़ द्वितीय तथा शशि कला सेठिया, जया गोलछा व अक्षिता ललवानी समान अंकों से तृतीय रहेगी। प्रतियोगिताएं 15 सितम्बर तक चलेगी। अंचल व राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद राशि, ट्रॉफी, धार्मिक पुस्तकें व प्रशिस्त पत्र प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ श्रावक सुशील बछावत ने विशेष शिविर व सेवा केन्द्र में चरित्र आत्मा के सान्निध्य में चलने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा बाहर से आने वाले श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया।